वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 315 | बुधवार 13 मार्च 2024 | दैनिक ई-पेपर

# शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

# अन्नदाताओं को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकारः मुख्यमंत्री शर्मा

## कृषि उपज मण्डी निम्बाहेड़ा एवं छोटी सादड़ी में विभिन्न विकास कार्यों की सौगात

शर्मा ने निम्बाहेड़ा से मंगलवाड तक 40 किलोमीटर लम्बी 4 लेन सड़क निर्माण की घोषणा की। साथ ही, मुख्यमंत्री ने छोटी सादड़ी में अपर जिला न्यायालय खोलने, कृषि उपज मण्डी समिति निम्बाहेड़ा एवं छोटीसादड़ी में कार्यालय भवन, किसान कलेवा भवन सहित अन्य विकास कार्यों की घोषणा की। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने निम्बाहेड़ा के कनेरा से सेमलिया महादेव तक (2.50 किलोमीटर), एनएच-113 से गोठडा तक (2.80 किलोमीटर) एवं साठोला से काकरा तक (6 किलोमीटर) की सड़क निर्माण, बड़ीसादड़ी में एनएच-113 से कदमाली तक 4.80 किलोमीटर सड़क का सुदृढ़ीकरण एवं 3 किलोमीटर की कनेरा निम्बोदा सड़क निर्माण के विकास कार्यों की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट बनाने की बजट घोषणा में चित्तौड़गढ़ के विभिन्न स्थल को भी शामिल किया जाएगा। इस अवसर पर राजस्व मंत्री हेमंत मीना, सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार, सांसद सी.पी जोशी, राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया एवं विधायकगण सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

**चित्तौड़गढ़/जयपुर. शाबाश इंडिया**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसान भारत की आत्मा हैं और उनकी खुशहाली से ही विकसित भारत की संकल्पना साकार होगी। हमारी केन्द्र और राज्य की डबल इंजन की सरकार प्रदेश के प्रत्येक किसान को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से उन्हें पर्याप्त पानी और अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पूर्ण समर्पण एवं सामर्थ्य के साथ कार्य कर रही है। शर्मा मंगलवार को चित्तौड़गढ़ के निम्बाहेड़ा में विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज देश के किसान समृद्धि के वाहक बन रहे हैं। केन्द्र और राज्य की सरकार किसानों की आय बढ़ाने के हर संभव प्रयास कर रही हैं। हमारी सरकार ने गेहूं की एमएसपी पर 125 रुपये का अतिरिक्त बोनस देते हुए 2400 रुपये प्रति क्विंटल करने और किसान सम्मान निधि को 6 हजार से बढ़ाकर 8 हजार रुपए करने जैसे कृषक कल्याण के अहम निर्णय किए है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्राथमिकताओं में किसान कल्याण सर्वोच्च हैं। उन्होंने देश में ऐसी योजनाएं शुरू की है जिससे किसान आर्थिक रूप से सशक्त बने और कृषि क्षेत्र की प्रगति दोगुनी रफ्तार से हो।

### पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में किसानों को नहीं मिला पर्याप्त पानी

शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती राज्य सरकार ने सिंचाई की कई

महत्वपूर्ण परियोजनाओं को वर्षों तक लटकाए रखा और किसानों को पर्याप्त पानी की आपूर्ति नहीं हो सकी। हमने सरकार बनते ही एकीकृत ईआरसीपी और यमुना जल समझौते को क्रियान्वित करने का कार्य किया है। ईआरसीपी पर केन्द्र और मध्य प्रदेश के साथ एमओयू कर इस परियोजना पर तत्परता के साथ कार्य किया जा रहा है। साथ ही, हमारी सरकार ने ताजेवाला हेड वर्क्स से शेखावाटी क्षेत्र में यमुना का पानी लाने की कई दशकों से लंबित परियोजना के लिए ऐतिहासिक एमओयू भी किया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने उदयपुर में देवास तृतीय एवं चतुर्थ परियोजना की नींव रखी है, जिससे आने वाले समय में उदयपुर की झीलों में जल उपलब्धता के साथ ही चित्तौड़गढ़, राजसमंद सहित राजस्थान के विभिन्न जिलों की पेयजल की समस्या का समाधान भी होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर हैं। उन्होंने कहा कि आज जैसलमेर के पोकरण में आयोजित हुए भारत शक्ति अभ्यास के तहत भारतीय सेनाओं के शौर्य प्रदर्शन ने राजस्थान के स्वाभिमान को बढ़ाया है। इससे पहले भी पोकरण पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के समय ऐतिहासिक परमाणु परीक्षण का साक्षी बना था।

### इन कार्यों का हुआ लोकार्पण

पीएमजीएसवाई फेस 3 में निर्मित अंबामाता से माराजिवी सड़क, मांगरोल अरनोदा सड़क एवं एनएच 79 से लसड़ावन सड़क। नीमच फाटक से कदमाली ब्रिज तक सड़क चौड़ाईकरण व सुदृढ़ीकरण कार्य। डीएमएफटी में निर्मित चंगेड़ी से बावड़ी खेड़ा सड़क निर्माण, शारदा पेट्रोल पंप से । मेवातों की झोपड़ी तक सड़क डामरीकरण एवं खेल स्टेडियम अरनिया जोशी के निर्माण कार्य। नवनिर्मित उप तहसील भवन, कनेरा। हुकेडिया एनिकट निर्माण कार्य जलोदा जागीर, छोटी सादड़ी। पालखंदा एनीकट का मरम्मत कार्य, जलोदा जागीर, छोटी सादड़ी।

### इन कार्यों के हुए शिलान्यास

पीएमयोजना के अंतर्गत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जावदा द्वितीय, निम्बाहेड़ा में विकास कार्य। 33/11 केवी जीएसएस, नारायणी चौकी, छोटी सादड़ी। 33/11 केवी जीएसएस, वसुंधरा विहार, निम्बाहेड़ा। बाड़ी मानसरोवर बांध के अधिशेष जल से 600 हेक्टेयर अतिरिक्त कमांड क्षेत्र में सोलर आधारित सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली का निर्माण कार्य। आईटीआई कॉलेज, कारूंडा का शिलान्यास। भावलिया बांध के अधिशेष जल से 150 हेक्टेयर अतिरिक्त कमांड क्षेत्र में सोलर आधारित सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली का निर्माण कार्य का शिलान्यास।

# दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा हास्य व्यंग कवि सम्मेलन शनिवार, 16 मार्च को

## हुआ रीजन मीटिंग में पोस्टर का विमोचन, देश के चुनिंदा हास्य कवि देंगे प्रस्तुति

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन के तत्वावधान में एक विशाल हास्य व्यंग कवि सम्मेलन शनिवार 16 मार्च को भट्टारक जी की नसिया नारायण सिंह सर्किल टोंक रोड पर साय 7 बजे से आयोजित किया जायेगा। मुख्य समन्वयक दर्शन विनिता जैन ने बताया कि प्रसिद्ध हास्य कवि सुरेंद्र यादवेंद्र, संजय झाला, अशोक भाटी, अशोक चारण, दीपिका माही, दीपक पारीक, प्रहलाद चांडक कवि सम्मेलन में अपनी कविताओं से श्रोताओं को गुद गुदायेंगे। अध्यक्ष मनीष - शोभना लोंग्या व सचिव राजेश - रानी पाटनी ने बताया कि समारोह के मुख्य प्रायोजक आर के मार्बल ग्रुप, सह प्रायोजक ए आर एल इंफ्राटेचर, दैनिक समाचार जगत होंगे। मुख्य समन्वयक राकेश - समता गोदिका ने बताया कि समारोह के दीप प्रवज्लन कर्ता महावीर शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमराव मल संघी, मुख्य अथिति प्रमुख समाज सेवी सुनील जैन सी ए तथा फेडरेशन के कार्याध्यक्ष सुरेंद्र पांड्या समारोह की अध्यक्षता करेंगे। समारोह में वीर सेवक मंडल के अध्यक्ष महेश काला, धर्म जागृति संस्था के संस्थापक अध्यक्ष रोटेरियन सुधीर जैन गोधा, निर्मल सोगानी सदस्य नेशनल रोड सेफ्टी कॉन्सिल विशिष्ठ अतिथि तथा दिल्ली निवासी आशीष निधि बाकलीवाल व पियूष - मोनाली सोनी अध्यक्ष जैन सोश्यल ग्रुप ग्लोरी समारोह में गोरवमय अथिति के रूप में उपस्थित रहेंगे।

## जैन धर्म के अठारहवें तीर्थंकर भगवान अरहनाथ का गर्भ कल्याणक महोत्सव मनाया

### जैन मंदिरों में हुए विशेष आयोजन

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** जैन धर्मावलंबियों द्वारा मंगलवार 12 मार्च को जैन धर्म के अठारहवें तीर्थंकर भगवान अरहनाथ का गर्भ कल्याणक महोत्सव भक्ति भाव से मनाया गया। इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मन्दिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किए गए। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक इस मौके पर श्रद्धालुओं द्वारा प्रातः भगवान अरहनाथ के अभिषेक के बाद विश्व में सुख शांति और समृद्धि की कामना करते हुए शांतिधारा की गई । तत्पश्चात श्री जी की अष्ट द्रव्य से पूजा की जाकर पूजा के दौरान गर्भ कल्याणक श्लोक - ''फागुन सुदी तीज सुखदाई। गरभ सुमंगल ता दिन पाई।। मित्रादेवी उदर सु आये। जजे इन्द्र हम पूजन आये।।'' का उच्चारण करते हुए भगवान का गर्भ कल्याणक अर्घ्य चढाया गया । अन्त में 108 दीपकों से महाआरती के बाद समापन हुआ। शांतिनाथ जी की खोह स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी , मंदिर संघीजी सांगानेर, मोती सिंह भोमियों का रास्ता स्थित चौबीस महाराज के मंदिर सहित अन्य मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन किए गए । गुरुवार, 14 मार्च को जैन धर्म के 19 वें तीर्थंकर भगवान मल्लिनाथ का मोक्ष कल्याणक मनाया जाकर निर्वाण लाडू चढाया जावेगा । शनिवार, 16 मार्च को आठवें तीर्थंकर भगवान चन्द्रप्रभू का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा । मोक्ष का प्रतीक निर्वाण लाडू चढ़ाया जाएगा । रविवार 17 मार्च को तीसरे तीर्थंकर भगवान संभवनाथ का गर्भ कल्याणक दिवस मनाया जाएगा।

## आचार्य 108 श्री विद्यासागर संदेश पदयात्रा 17 मार्च को

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

जैन सोशल ग्रुप जनक एवं भारतीय जैन युवा परिषद जैन के संयुक्त तत्वावधान में रविवार 17 मार्च 2024 को परम पूज्य आचार्य भगवान 108 श्री विद्यासागर जी की स्मृति में उनके द्वारा दिए गए संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से पद वंदना का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। युवा परिषद के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र बोहरा ने बताया कि इस कार्यक्रम में सभी मंदिरों को जोड़ने का प्रयास किया गया है जिससे कि ज्यादा से ज्यादा लोग इस पद वंदना में शामिल होकर आचार्य श्री द्वारा दिए गए उद्देश्यों को लोगों तक पहुंचाएं। सोशल ग्रुप जनक की अध्यक्षा रश्मि जैन ने बताया कि कार्यक्रम के लिए अक्षय-छाया को मुख्य संयोजक बनाया गया है। राजस्थान जैन युवा महासभा मानसरोवर जोन एवं राष्ट्रवादी जैन संगठन संस्था इसमें सहयोगी संस्था के रूप में जुड़ी है। जनक ग्रुप के सचिव मनोज जैन ने बताया कि पद वंदना का मुख्य रवानगी स्थल श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर मीरा मार्ग रहेगा जोकि मध्य मार्ग होता हुआ थड़ी मार्केट जैन मंदिर एसएफएस जैन मंदिर को जोड़ते हुए सांगानेर स्टेडियम पर पहुंचेगी। सांगानेर स्टेडियम पर अन्य स्थानों से आने वाली सभी पदयात्रा एक साथ एकत्रित होकर जुलूस के रूप में अतिशय क्षेत्र संघी जी जैन मंदिर के लिए रवाना होंगे जहा पर विन्यांजली का कार्यक्रम एवं आचार्य श्री की जीवनी पर फिल्म दिखाई जायेगी। युवा परिषद के महामंत्री रवि रावका ने बताया की पदयात्रा के लिए ड्रेस कोड निर्धारित किया गया है जिसमें पुरुष वर्ग सफेद कुर्ता पजामा और महिला वर्ग पिंक कलर की साड़ी पहनेगी! कार्यक्रम के मुख्य संयोजक अक्षय लुहाडिया ने बताया की पदयात्रा के लिए सभी तरह की व्यवस्था पुर्ण हो चुकी है।

भगवान महावीर के 2622 वें जन्मोत्सव समारोह के अन्तर्गत

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के द्वारा

मुख्य प्रायोजक: R K GROUP, Kishangarh, Rajasthan, www.rkmarble.com | www.wondercement.com; WONDER CEMENT

सह प्रायोजक: ARL Infratech Ltd.

सह प्रायोजक: समाचार जगत

# हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन

**शनिवार, 16 मार्च 2024**

**समय : सायं 7.00 बजे से**

:: स्थान ::

**भट्टारक जी की नशियां,**

**नारायण सिंह सर्किल, टोंक रोड़, जयपुर**

## आमंत्रित कविगण

श्री सुरेन्द्र यादवेन्द्र (बारां) (ठहाका सम्राट)

श्री संजय झाला (जयपुर) (हास्य कवि)

श्री अशोक चारण (चोकड़ी) (वीररस कवि)

डा कोकिल दीपिका माहेश्वरी (जयपुर) (कवयित्री)

श्री दीपक पारीक (भीलवाड़ा) (हास्य कवि)

श्री प्रहलाद चांडक (जयपुर) (ओजस्वी गीतकार)

श्री अशोक भाटी (उज्जैन) (संचालक व हास्य कवि)

## आमंत्रित अतिथिगण

समारोह गौरव
**श्रीमान् अशोक जी पाटनी**
**श्रीमती सुशीला जी पाटनी**
आर. के. मार्बल ग्रुप

समारोह गौरव
**श्रीमान् नन्द किशोर जी पहाड़िया**
**श्रीमान् प्रमोद जी पहाड़िया**
ए. आर. एल. ग्रुप

समारोह गौरव
**श्रीमती त्रिशला जी** (धर्मपत्नी स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा)
**श्रीमान् शैलेन्द्र जी गोधा, श्रीमान् निशान्त जी गोधा**
दैनिक समाचार जगत

मुख्य अतिथि
**श्रीमान् सुनील जी जैन (सी.ए.)**
प्रमुख समाज सेवी

अध्यक्षता
**श्रीमान् सुरेन्द्र जी जैन पाण्ड्या**
कार्याध्यक्ष : दि.जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन

दीप प्रज्ज्वलनकर्त्ता
**श्रीमान् उमराव मल जी संघी**
अध्यक्ष-श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद्

विशिष्ट अतिथि
**श्रीमान् महेश जी काला**
राष्ट्रीय मंत्री : भा. दि.जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी
अध्यक्ष : वीर सेवक मण्डल

विशिष्ट अतिथि
**रोटेरियन श्रीमान् सुधीर जी जैन गोधा**
संस्थापक अध्यक्ष : धर्म जागृति संस्थान

विशिष्ट अतिथि
**श्रीमान् निर्मल जी सौगानी**
सदस्य-नेशनल रोड़ सेफ्टी कॉउन्सिल (NRSC)

गौरवमय अतिथि
**श्रीमान् आशीष-निधी बाकलीवाल**
प्रमुख समाज सेवी (दिल्ली)

गौरवमय अतिथि
**श्रीमान् पीयूष-मोनाली सोनी जैन**
अध्यक्ष : जैन सोशल ग्रुप ग्लोरी एवं प्रमुख समाज सेवी

**आप सपरिवार इष्टमित्रों सहित सादर आमन्त्रित हैं।**

## आदिनाथ जयंती से महावीर जयंती तक

रक्तवान जीवन दान

### विशाल रक्तदान शिविर

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये।
चलो रक्तदान करे और करवाये ॥

भगवान महावीर की 2622 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत **मानव सेवार्थ 2550 यूनिट रक्त एकत्र करने के विशाल लक्ष्य** के साथ विभिन्न संस्थाओ के सहयोग से लगभग **50 स्थानों पर रक्तदान शिविर** आयोजित किये जायेंगे।

### 48 मण्ड़लों पर 48 दीपकों से भक्तामर अनुष्ठान



समाज भूषण स्वर्गीय श्री राजेन्द्र के. गोधा जी की पुण्य स्मृति में

**तृतीय जीवन रक्षक सम्मान समारोह-2024**

रक्तदान शिविर आयोजन में सहयोग करने वाली संस्थाओं का सम्मान

शनिवार, 20 अप्रेल 2024
समय : सायं 7.00 बजे से

**स्थान : छतरी वाला भाग, भट्टारक जी की नशियां, जयपुर**

**सहयोगी दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप ::** जयपुर मेंन, गुलाबी नगर, आदिनाथ, नवकार, जैन भारती, मैत्री, डायमंड, वर्धमान, पार्श्वनाथ, तीर्थंकर पिंक पर्ल, वात्सल्य, सॅगिनी फॉरएवर, सम्यक, वीर, स्वस्तिक, विराट, मालपुरा, गंगापुर सिटी, दौसा, सीकर, श्री महावीर जी, प्रज्ञा (निवाई)

**ग्रुप संयोजक ::** धनु कुमार जैन, श्रीमती सुशीला बड़जात्या, कैलाश चन्द बिंदायका, मोहनलाल गंगवाल, श्रीमती प्रमिला शाह, सुनील बड़जात्या, राजेन्द्र सेठी, अनिल पाटनी, रवि सेठी ईजी. पी.सी. छाबड़ा, डॉ.मोहन लाल जैन 'मणी', राजेश चौधरी, अनिल टोंग्या, श्रीमती शकुन्तला बिन्दायका, महावीर बोहरा, नीरज जैन, सतीश बाकलीवाल, बसंत जैन

## आयोजक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मनीष-शोभना लोंग्या<br>अध्यक्ष | राकेश-समता गोदिका<br>संस्थापक अध्यक्ष | सुरेन्द्र-मृदुला पाण्ड्या<br>संरक्षक | दर्शन-विनिता जैन<br>संरक्षक | विनोद-शशि तिजारिया<br>संरक्षक | राजेश-जैना गंगवाल<br>संरक्षक | दिनेश-संगीता गंगवाल<br>परामर्शक | राजेश-रानी पाटनी<br>सचिव |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| संजय-ज्योति छाबड़ा<br>वरिष्ठ उपाध्यक्ष | राकेश-रेणु संघी<br>वरिष्ठ उपाध्यक्ष | चक्रेश-पिंकी जैन<br>उपाध्यक्ष | विनोद-हेमा सोगानी<br>उपाध्यक्ष | अनिल-निशा संघी<br>उपाध्यक्ष | सुनील-सुनीता गोदिका<br>उपाध्यक्ष | राजेश-रितु छाबड़ा<br>संगठन सचिव |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| अनिल-अनिता जैन<br>संगठन सचिव | प्रदीप-प्राची बाकलीवाल<br>संयुक्त सचिव | चेतन-डॉ.अनामिका पापड़ीवाल<br>संयुक्त सचिव | कमल-मंजु ठोलिया<br>सांस्कृतिक सचिव | राजेन्द्र-कुसुम जैन<br>खेल सचिव | दिलीप-प्रमिला जैन<br>कोषाध्यक्ष |

कार्यकारिणी सदस्य : अनिल-ज्योति चौधरी ❋ डॉ अनुपम-विनीता जैन ❋ नितेश-मीनू पाण्ड्या ❋ सपन-रजनी छाबड़ा ❋ पंकज-नीना जैन

विशेष आमंत्रित : अनिल-प्रेमा रांवका, अशोक-अर्चना पाटनी ❋ अशोक सेठी

## आयोजन समिति

| | |
|---|---|
| दर्शन बाकलीवाल<br>मुख्य समन्वयक | राकेश गोदिका<br>मुख्य समन्वयक |

| | | | |
|---|---|---|---|
| सुरेन्द्र पाण्ड्या<br>परामर्शक | राजेश गंगवाल<br>परामर्शक | विनोद तिजारिया<br>परामर्शक | दिनेश गंगवाल<br>परामर्शक |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| संजय छाबड़ा<br>समन्वयक | राकेश संघी<br>समन्वयक | अनिल संघी<br>समन्वयक | चक्रेश जैन<br>समन्वयक | अनिल रांवका<br>समन्वयक |
| राजेश छाबड़ा<br>समन्वयक | राजीव जैन<br>समन्वयक | कमल ठोलिया<br>सह-समन्वयक | प्रदीप जैन बाकलीवाल<br>सह-समन्वयक | अनिल जैन चौधरी<br>सह-समन्वयक |

| | | |
|---|---|---|
| नितेश पाण्ड्या<br>संयोजक | सपन छाबड़ा<br>संयोजक | सुधीर गोधा<br>संयोजक |

## निवेदक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन, जयपुर

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| राजेश बड़जात्या<br>अध्यक्ष | अनिल जैन IPS<br>संस्थापक अध्यक्ष | सुरेन्द्र कुमार पाण्ड्या<br>परामर्शक | नवीन सेन जैन<br>परामर्शक | यश कमल अजमेरा<br>निवर्तमान अध्यक्ष | अतुल बिलाला<br>पूर्व अध्यक्ष | सुनिल बज<br>कार्याध्यक्ष | सुरेश जैन (बांदीकुई)<br>कार्याध्यक्ष | पारस कुमार जैन<br>कोषाध्यक्ष | निर्मल संघी<br>महासचिव |

**सम्पर्क सूत्र :: 9414078380 9414073035 9785074581 9829594488, 9414041225**

SURYAVANSHI JEWELLERS

083025 81569

SB-155 A, Sawai Mansingh Rd, Tonk Road, Lalkothi, Jaipur, Rajasthan 302015



Printed by : VARDHMAN PRINTERS # 9314263204

## वेद ज्ञान

# ध्यान चेतना मन की एक प्रक्रिया

ध्यान चेतना मन की एक प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति अपनी चेतना को बाहरी जगत के किसी चयनित किए हुए विषय पर केन्द्रीत करता है। भारतीय दर्शन में ध्यान संसार से मुक्ति की ओर ले जाने वाला एक चिंतन है। ध्यान में व्यक्ति की इंद्रियां उसके मन के साथ, उसका मन उसकी बुद्धि के साथ और उसकी बुद्धि आत्मा में लीन होने लगती है। ध्यान से जीवन में दिव्यता आती है और जब व्यक्ति इस दिव्यता का भी अनुभव कर लेता है तो सारी सृष्टि उसे सुंदर प्रतीत होने लगती है। ध्यान से व्यक्ति जीवन की समस्त बुराइयों से ऊपर उठ जाता है और इस संसार को सुंदर बनाने के कार्य में समर्पित हो जाता है। ध्यान का मानव जीवन में अत्यंत महत्व है। ध्यान व्यक्ति को ऐसे काम की ओर ले जाने से रोकता है, जिससे उसे नीचा देखना पड़े, इसलिए जब भी और जहां भी मौका मिले, मनुष्य को ध्यान जरूर करना चाहिए। महात्मा बुद्ध जानते थे कि मनुष्य का मन सबसे बड़ा धोखा है, इसीलिए उन्होंने अपने प्रवचनों और जीवन के माध्यम से व्यक्ति को प्रत्येक परिस्थिति में मध्यम मार्ग अपनाते हुए जागरूक रहने की शिक्षा दी। शरीर और मन के प्रति सतर्क रहने से ही दुखों से छुटकारा पाया जा सकता है। शांति और निर्वाण का यही एकमात्र मार्ग है। सांसारिक गतिविधियों में शारीरिक रूप से उपस्थित रहते हुए भी व्यक्तिगत भावना का केंद्र यदि असांसारिक होने को प्रेरित करे तो समझ लेना चहिए कि व्यक्ति का जीवन ध्यान पर टिका हुआ है। ध्यान से तात्पर्य धन, पद और प्रसिद्धि आदि आकर्षणों के प्रति स्थिर होना भी नहीं है, बल्कि ध्यान व्यक्ति को जीवनभर अच्छे आचरण करने की ताकत देता है, जिससे विकारों का नाश होता है। ध्यान की गंभीरता व्यक्ति के चारों ओर सकारात्मक परिस्थितियों का निर्माण करती है। इससे व्यक्ति को न केवल क्रोध, काम, लोभ और मोह के बंधनों से मुक्ति मिलती है, बल्कि हम अपने अंदर एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार का अनुभव करते हैं।

## संपादकीय

# सुप्रीम कोर्ट में नहीं चलीं एसबीआई की दलीलें

सर्वोच्च न्यायालय ने चुनावी बांड संबंधी जानकारियां उपलब्ध कराने को लेकर भारतीय स्टेट बैंक की बहानेबाजियों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। स्टेट बैंक ने चुनावी बांड संबंधी जानकारियां उपलब्ध कराने के लिए अदालत से तीस जून तक का समय मांगा था। उसका तर्क था कि बांड खरीदने वाले और राजनीतिक दलों के नामों का मिलान करने में उसे वक्त लग रहा है। चूंकि ये जानकारियां चुनावी बांड नियमों के

मुताबिक सुरक्षा की दृष्टि से डिजिटल रूप में रखने के बजाय हस्तलिखित रूप में दो जगहों पर सीलबंद लिफाफे में रखी गई थीं, इसलिए हर दस्तावेज का मिलान करने में वक्त लगेगा। मगर सर्वोच्च न्यायालय ने उसकी बहानेबाजी पर विराम लगा दिया। उसने कहा कि आपसे मिलान करने को तो कहा ही नहीं गया था। आप तो केवल अपने लिफाफे खोलिए और चुनावी बांड से संबंधित जो भी जानकारियां आपके पास हैं, उन्हें सौंप दीजिए। नियम के मुताबिक आपने हर बांड खरीदने वाले के बारे में विवरण जमा कर रखे हैं, इसलिए कोई परेशानी वैसे भी नहीं होनी चाहिए। अदालत ने आज शाम तक सभी जानकारियां उपलब्ध कराने का आदेश दिया है। उन जानकारियों को निर्वाचन आयोग पंद्रह तारीख की शाम तक अपनी वेबसाइट पर डाल देगा। अगर अब भी स्टेट बैंक कोई बहानेबाजी करता है, तो उसके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई का रास्ता खुला है। इस फैसले के बाद लगता नहीं कि स्टेट बैंक कोई बहाना बनाएगा। उसके वकील अदालत के समक्ष स्वीकार कर चुके हैं कि बंद लिफाफे में हर बांड का विवरण रखा हुआ है, समस्या केवल बांड के खरीदार और उसे भुनाने वाले राजनीतिक दलों के नामों के मिलान को लेकर है। इसलिए अब स्टेट बैंक के सामने इससे बचने का कोई रास्ता भी नहीं रह गया है। यों भी जब जानकारियां उपलब्ध कराने की अंतिम तारीख से दो दिन पहले स्टेट बैंक ने समय बढ़ाने की फरियाद की थी तो स्वाभाविक ही लोगों को हैरानी हुई थी। पूछा जाने लगा था कि आज जब बैंकों का सारा कामकाज डिजिटल तरीके से होने लगा है और एक बटन दबाने से सारी जानकारियां सामने आ जाती हैं, तब स्टेट बैंक को क्यों इतना वक्त चाहिए। फिर, जिस तरह उसने तीस जून का वक्त मांगा था, उससे लोगों ने कहना शुरू कर दिया था कि तब तक आम चुनाव खत्म हो जाएगा। लोग जानना चाहते हैं कि आखिर राजनीतिक दलों को चंदा देने वाले लोग कौन हैं। चुनावी चंदे के लिए बांड की व्यवस्था की गई थी, तभी इस नियम को लेकर सवाल उठने लगे थे कि आखिर इसे गोपनीय क्यों रखा जा रहा है। फिर चंदा देने की सीमा समाप्त कर दी गई थी। पहले कंपनियां अपने वार्षिक मुनाफे का केवल सात फीसद हिस्सा चुनावी चंदे के रूप में दे सकती थीं। इससे संदेह गहरा होने लगा था कि कहीं कुछ कंपनियां अपने फायदे के लिए राजनीतिक दलों को चंदे के रूप में रिश्वत तो नहीं दे रही हैं।

**-राकेश जैन गोदिका**

## परिदृश्य

# बेबसों की जिंदगी...

उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में एक बस के बिजली के तार की चपेट में आ जाने से हुए हादसे से एक बार फिर यही साबित हुआ है कि सरकार की ओर से जारी तमाम आश्वासनों के बावजूद बहुस्तरीय लापरवाही कायम है और उसमें कई बार नाहक ही लोग मारे जाते हैं। विवाह के मौके पर बस में अड़तीस यात्री सवार होकर जा रहे थे कि बस के ऊपर उच्च क्षमता का बिजली का तार गिर गया और बस में आग लग गई। किसी तरह लोगों ने जलती बस से निकलने की कोशिश की, मगर पांच लोग जिंदा जल गए। अब सरकार की ओर से मुआवजे की घोषणा की गई है, मगर अफसोस कि कई बार यह लापरवाही की भरपाई लगती है, क्योंकि संबंधित महकमों को जिस वक्त बिजली के खंभों या तारों के रखरखाव की जिम्मेदारी ईमानदारी से पूरी करनी चाहिए, निर्धारित वक्त पर जांच करते रहना चाहिए था, तब कोताही बरती जाती है। गाजीपुर में हुआ हादसा लापरवाही का नतीजा है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जरूरत है। विडंबना यह है कि जब कोई गंभीर हादसा हो जाता है तब आनन-फानन में मुआवजे की बात होने लगती है, मगर उसके लिए जिम्मेदारी तय करने को लेकर उतनी सजगता नहीं देखी जाती। सवाल है कि सड़क के ऊपर उच्च क्षमता का तार अगर गुजर रहा था तो उसे इस कदर असुरक्षित हालत में कैसे छोड़ा गया था कि वह लोगों के लिए जानलेवा बना? कई बार आम लोग भी सावधानी नहीं बरतते। मगर इंसानी गतिविधियों या आबादी वाले क्षेत्रों में अगर बिजली के खंभे आदि लगाए जाते हैं तो क्या इससे संबंधित कोई नियम-कायदा है कि उनका पूरी तरह दुरुस्त और सुरक्षित होना सुनिश्चित किया जाए? तकनीकी खराबी एक अचानक उपजी स्थिति हो सकती है, लेकिन उसे समय पर दुरुस्त करने को लेकर थोड़ी भी कोताही नहीं बरती जानी चाहिए। ऐसी घटनाएं

अक्सर सामने आती रहती हैं, जब बिजली का तार हादसे की वजह बनता है। यह सुनिश्चित करना जरूरी नहीं समझा जाता कि खासकर उच्च क्षमता के तार इंसानी आबादी या व्यस्त सड़कों के ऊपर से न गुजरें या फिर खतरे की वजह न बनें।

# नवागढ़ महोत्सव में उमड़े श्रद्धालु

## अगाध श्रद्धा के साथ भक्तों ने किया अरनाथ भगवान का महामस्तकाभिषेक और अरनाथ मण्डल विधान। विलक्षण और अनमोल धरोहर का खजाना है नवागढ़ की पुरा सम्पदा

**ललितपुर. शाबाश इंडिया**

भगवान अरनाथ स्वामी के अतिशय सम्पन्न विश्व के एक मात्र प्रागैतिहसिक अतिशय क्षेत्र नवागढ़ विकासखंड महरौनी का नवागढ़ महोत्सव में मंगलवार को ब्र. जय कुमार जी निशान्त भैया के निर्देशन में प्रातः 7 बजे देव आज्ञा, गुरु आज्ञा, आचार्य निमंत्रण किया गया इसके बाद 8.25 बजे ध्वजारोहण हुआ। इसके बाद अरनाथ मंडल विधान श्रद्धालुओं ने भक्ति नृत्य के साथ किया। 9.30 बजे से मूलनायक अरनाथ भगवान का वार्षिक महामस्तकाभिषेक करने श्रद्धालु उमड़ पड़े। अरनाथ भगवान का गर्भ कल्याणक महोत्सव भी विधि विधान से मनाया गया। प्रचार मंत्री डॉ सुनील संचय ने बताया कि प्रथम स्वर्ण कलश से महामस्तकाभिषेक सनत कुमार जैन मेरठ ने किया। द्वितीय स्वर्ण कलश से इंजी शिखरचंद्र जैन पुष्प परिवार व तृतीय स्वर्ण कलश से मोहनलाल जैन छतरपुर ने किया। शांतिधारा करने का सौभाग्य देवेंद्र जैन पुष्पांजलि परिवार इंदौर तथा निर्मल संजय जैन रेवाड़ी को प्राप्त हुआ। रजत कलश से पवन जैन खुरई, वी के जैन, आईएएस ऑफिसर सेवानिवृत्त, झांसी ने महामस्तकाभिषेक किया। इस अवसर पर विद्वानों , अतिथियों ने नवागढ़ के पुरातात्विक और ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला। आयोजन का संचालन महामंत्री वीरचन्द्र जैन नेकौरा ने किया। विशिष्ट अतिथि अर्चना जैन सदस्य नीति आयोग भारत सरकार,राजकुमार जैन चूना जिलाध्यक्ष भाजपा, देवगढ़ तीर्थक्षेत्र के अध्यक्ष अनिल अंचल ललितपुर, वी के जैन सेवानिवृत्त डी एफ ओ, झांसी, डॉ नरेन्द्र कुमार जैन टीकमगढ़, बाबूलाल मैनवार आदि मंचासीन रहे। विधि विधान ब्र. जय कुमार जी निशान्त भैया के निर्देशन में पंडित मनीष संजू, अजित वैद्य, पंडित इंद्र कुमार, पंडित संतोष जैन, पंडित सुनील शास्त्री ने संपन्न कराया। नवागढ़ तीर्थक्षेत्र व नवागढ़ गुरुकुलम कमेटी के पदाधिकारियों ने आगुन्तक अतिथियों, विद्वानों का सम्मान किया। इस मौके पर सनत जैन एडवोकेट अध्यक्ष, वीरचंद्र जैन, नैकोरा, महामंत्री, सुरेन्द्र सोजना, अशोक मैनवार, एडवोकेट संदीप जैन सोजना ,नरेंद्र जैन, पंडित इंद्र कुमार जैन, डॉ सुनील संचय, इंजीनियरिंग शिखरचंद्र जैन जैन, राकेश ककरवाहा, चन्द्रभान जैन , पर्वत सिंह, सुनील वैद्य , डॉ भरत गुढ़ा, वीरेंद्र सापौन, राजीव चंद्रपुरा, सिंध पाल सिंह बुंदेला ग्राम प्रधान मैनवार, जिनेन्द्र जैन डिस्को, मनमोहन कौशिक, सोमचन्द शास्त्री शिक्षक, राजकुमार चूना टीकमगढ़, बबलू सिंघई, धीरेंद्र सिंघई बड़ागांव, , शुभम जैन आदि मौजूद रहे।

**पुलिस बल रहा सुरक्षा में तैनात:** आयोजन के दौरान सोजना थाना की पुलिस सुरक्षा व्यवस्था के लिए तैनात रही।

**कल्याणायु ई मलम का निःशुल्क वितरण:** इस मौके पर जनक जननी के द्वारा कल्याणायु ई मलम का निःशुल्क वितरण डॉ देवेंद्र जैन, डॉ मुन्ना लाल जैन के निर्देशन में सैकड़ों लोगों को बांटी गई। अतिथियों ने शुभारंभ कराया।

**ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर है नवागढ़:** इस मौके पर अतिथियों और विद्वानों ने कहा कि नवागढ़ में होने वाले अन्वेषण यहां की समृद्ध संस्कृति, इतिहास, राजनीतिक संबद्धता यहां के ग्रामीण जनों की खुशहाली को दशार्ते हैं ।ना जाने कितने क्षेत्र में फैला होगा यह नवागढ़ , जहां आज तरह-तरह के साक्ष्य प्राप्त हो रहे हैं।

# 21छात्र-छात्राओं ने की सामूहिक पूजन, श्री जी का अभिषेक भी किया

**डडूका. शाबाश इंडिया**

नई पीढ़ी को संस्कारो के आरोहण के काम मे दिगंबर जैन पाठशाला डडूका द्वारा जारी शैक्षिक, धार्मिक एवं आध्यात्मिक नवाचार प्रशंसा प्राप्त कर रहे हैं। बच्चो ने आज की रविवारीय पाठशाला में देव,शास्त्र, गुरु पूजा सामूहिक रूप से की जिसमे 21बच्चों ने हिस्सा लिया। पाठशाला प्रेरक अजीत कोठिया के निर्देशन मे बच्चे को स्थापना,अभिषेक, अष्ट द्रव्य, पूजन, महार्घ, शांतिपाठ एवं विसर्जन पाठ का प्रशिक्षण देकर प्रत्येक अर्घ्य का मतलब बताया गया। कोठिया ने बताया की श्रमण संस्कृति बोर्ड सांगानेर से बच्चों की वार्षिक परीक्षा 1से 5 जून 2024 तक होगी जिसके फार्म भरना जारी है। सभी बच्चो ने पूजन के लिए थाल स्वयं सजाई और छात्रों ने गर्भ गृह मे मूलनायक 1008श्री पार्श्वनाथ भगवान का जलाभिषेक किया।

# बांसवाड़ा के कवीर सारंगिया शिवरात्रि आयोजन मे अव्वल रहे

**बांसवाड़ा. शाबाश इंडिया**

शिवरात्रि पर्व पर एपटेक इंटरनेशनल प्री स्कूल गाजियाबाद उत्तरप्रदेश में प्री नर्सरी में अध्ययनरत बांसवाड़ा निवासी कवीर वरुण सारंगिया ने फैंसी ड्रेस में शिवजी की भूमिका में अव्वल स्थान प्राप्त किया है। बांसवाड़ा निवासी वरुण अंकिता सारंगिया के पुत्र की छोटी सी उम्र में अभिनय के क्षेत्र में इस उपलब्धि पर दिगंबर जैन सोशियल एंड कल्चरल ग्रुप ज़िला बांसवाड़ा के सयोजक अजीत कोठिया ने शुभकामनाएं देकर सफलता पर बधाईयां संप्रेषित की है।

# धर्म को अपने अनुसार न चलाएं, धर्म के अनुसार चलें : मुनि श्री प्रतीकसागर

**आगरा. शाबाश इंडिया**

12 मार्च को श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर कमलानगर डी ब्लॉक के सन्त निलय की विशेष प्रवचन सभा मे क्रांतिकारी मुनि श्री प्रतीकसागर जी महाराज ने कहा कि व्यक्ती से नही पाप से डरो, राजा श्रेणिक ने तो केवल एक बार मुनी के गले मे मरा हुआ सांप डाला तो नरको मे जाना पडा, परन्तु हम और आप गुरुओ की बुराई कर रोज राजा श्रेणिक जैसा कार्य कर रहे है, अतः कभी भी देव शास्त्र गुरु का अनादर न करेधर्मसभा का शुभारंभ श्रीमती अशू जैन ने मंगलाचरण के साथ किया। इसके साथ ही सौभाग्यशाली भक्तों ने मुनि श्री प्रतीक सागर जी महाराज का पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंटकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। धर्मसभा का संचालन मनोज जैन बाकलीवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रदीप जैन पीएनसी,जगदीश प्रसाद जैन,मनोज जैन,अनिल जैन,अनिल जैन रईस, नरेश जैन,हरीश जैन,शुभम जैन छोटू, समस्त कमला नगर जैन समाज के लोग मौजूद रहे।

# डायमंड ग्रुप का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप डायमंड का होली उत्सव व शपथ ग्रहण समारोह कानोता कैम्प रिसोर्ट में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सभी सदस्यों एवं गणमान्य अतिथियों का स्वागत ढोल नगाड़ों के साथ गुलाल के टीके व रंगीले दुपट्टों से किया गया । नव मनोनीत अध्यक्ष राजेंद्र सेठी ने बताया की सभी दम्पत्ति सदस्यों व बच्चों ने विभिन्न मनोरंजनीय खेलों का आनंद लिया व आर्कषक पुरस्कार जीते। इसके बाद सुस्वादु ठंडाई के साथ फूलों की होली का शानदार आयोजन किया गया जिसमें राजस्थानी और होली गानों ने सभी को थिरकने पर मजबूर कर दिया। तदुपरांत सदस्यों ने रीजन व राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ स्वादिष्ठ भोजन का लुफ्त उठाया। समारोह के दूसरे सत्र मे शपथ विधी समारोह का संचालन करते हुए ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष यशकमल अजमेरा ने बताया कि शपथ विधि अधिकारी राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुरेंद्र पांड्या व रीजन प्रभारी नवीन सेन जैन ने संपूर्ण नवीन कार्यकारिणी के सदस्यों के साथ अध्यक्ष राजेंद्र-हर्षा सेठी , सचिव अतुल-सुधा छाबड़ा तथा कोषाध्यक्ष सुरेश -आभा गंगवाल को शपथ दिलाई और पिन प्रदान किए। कार्यक्रम में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अतुल बिलाला, रीजन अध्यक्ष राजेश सीमा बडजात्या , उपाध्यक्ष मृदुला पांड्या तथा रीजन कोषाध्यक्ष पारस जैन ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिती प्रदान की व नव निर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई दी।

# सम्मेद शिखर जी यात्रा करके दल सकुशल जयपुर लौटा

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** सम्मेद शिखर जी यात्रा करके एक दल सकुशल वापस जयपुर लौटा। यात्रा दल की कामिनी गोदिका ने बताया कि सभी यात्री 6 मार्च को जयपुर से प्रस्थान करके 11 मार्च की रात में वापस आए। बहुत ही अच्छी आनंद पूर्वक यात्रा संपन्न हुई। प्रदीप गोदिका ने बताया कि पारसनाथ की टोंक पर छत्र चढ़ाने और पूजन करने का सौभाग्य भी मिला। गुणायतन को देखने का अवसर मिला। गुणायतन की पूरी परिकल्पना बहुत ही अच्छी लगी एक अनोखी अधबुद्ध परिकल्पना है।

# महावीर प्लेसमेंट ड्राइव में मिला विद्यार्थियों को मनचाहा पैकेज

**जयपुर।** सी स्कीम स्थित श्री महावीर कॉलेज द्वारा हर वर्ष महावीर प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष 17 फरवरी 2024 शनिवार को महावीर प्लेसमेंट ड्राइव 2024 का आयोजन किया गया था जिसमे Archive Infotech, Girnar soft, Maxtell India, ICICI Bank (Through NIIT), Teleperformance, IBWC (National Franchise Partner of Angel One) कंपनियों द्वारा विद्यार्थियों का चयन किया गया। कंपनियों द्वारा अभ्यर्थियों का चयन ग्रुप डिस्कशन व साक्षात्कार के माध्यम से किया गया। कंपनियों द्वारा 3.5 लाख से 4 लाख वार्षिक तक का पैकेज ऑफर किया गया। श्री महावीर दिगंबर जैन शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमरावमल संधी, मंत्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला, कॉलेज कन्वीनर प्रमोद पाटनी, कॉलेज प्राचार्य डॉ आशीष गुप्ता ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

# 18 वें तीर्थंकर भगवान अरहनाथ का मनाया गर्भ कल्याणक महोत्सव

**फागी. शाबाश इंडिया**

कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाडा, चौरू, नारेडा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा, लसाडिया एवं लदाना सहित कस्बे के आदिनाथ मंदिर, बीचला मंदिर, मुनि सुव्रतनाथ मंदिर, पार्श्वनाथ चैत्यालय सहित सभी जिनालयों में जैन धर्म के 18 वें तीर्थंकर भगवान अरहनाथ का गर्भ कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि कार्यक्रम इससे पूर्व श्रीजी का अभिषेक शांतिधारा तथा अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना के बाद चंद्र प्रभु नसियां में सामूहिक रूप से जयकारों के साथ भगवान अरहनाथ के गर्भ कल्याणक का अर्घ्य चढ़ाकर सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की यह गई। उक्त समय समाजसेवी सोहनलाल झंडा,केलास कलवाडा, सुरेश सांघी,सुरेश जैन मांदी,रमेश बावड़ी, त्रिलोक पीपलू, कमलेश सिंघल,राजाबाबू गोधा, तथा संतोष बावड़ी, सुशीला बावड़ी,मैना बावड़ी, नोरती नला,ममता मांदी, संगीता कागला, मीरा झंडा सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

# सोनी परिवार की शिखर जी यात्रा संपन्न

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** सोनी परिवार के 80 मेंबर्स की सम्मेद शिखरजी की यात्रा साआनंद संपन्न हुई। ट्रेन द्वारा सफर, कमरों की, खाने की नाश्ते की शानदार व्यवस्था रही। बुजुर्ग व्यक्तियों ने डोली से व बच्चों ने पैदल यात्रा कर शिखर जी की यात्रा को सफल बनाया। शिखर जी की वंदना के बाद पहाड़ों की 180 किलोमीटर की यात्रा बसों व टैक्सी द्वारा की। गुणायतन मंदिर के साथ गिरडी, धनबाद निमिया इसरी के दर्शन भी किए। यात्रा को सफल बनाने में अनिल, सुनील संदीप वह शेरू का विशेष सहयोग रहा।

# हौसले बुलंद कर बढ़ो आगे : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

**गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया**

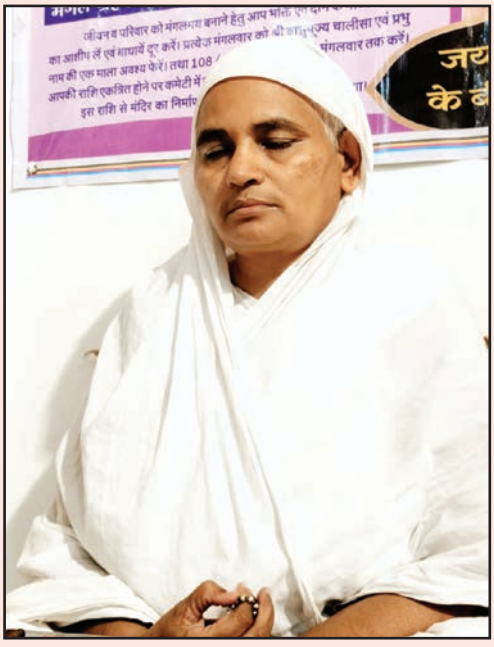

मंजिल उन्हीं को मिलती है जिनके सपनों में जान होती है, पंख से कुछ नहीं होता हौसलों से उड़ान होती है। यह बात पूज्य गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुंसी (राज.) के श्री शांतिनाथ चैत्यालय में धर्म सभा को उपदेशित करते हुए कहा। आगे उन्होंने कहा कि जीवन में यदि कुछ करना है तो हौसले बुलंद कर रास्तों पर चल दो आपको आपका मुकाम मिल जाएगा, पहले बढ़कर अकेले हमको पहल कर देखना होगा तब काफिला खुद बन जाएगा। सफलता तक पहुंचने के लिए असफलता के रोड से गुजरना ही पड़ेगा। पूज्य माताजी के मुखारविंद से अभिषेक शांतिधारा करने का सौभाग्य भक्तगणों ने प्राप्त किया। माताजी ससंघ की निर्विघ्न आहारचर्या करवाने का सौभाग्य सारिका, प्रियांशी जबलपुर एवं व्रती आश्रम के व्रतियों को मिला। पूज्य माताजी ने उपवास करके अपनी चर्या को उत्कृष्टता की सीमा पर ले जाते हुए समता पूर्वक धर्म को आराधना की।

# पक्षियों को बचाने की चुनौती जानवरों से ज्यादा है

विजय गर्ग

इस समय दस लाख से अधिक वन्यजीव प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर हैं। वर्तमान में पक्षियों की तकरीबन दस हजार जीवित प्रजातियां हैं, जिनमें से एक हजार चार सौ अस्सी विलुप्त होने को हैं और दो सौ तेईस गंभीर स्थिति में हैं 'स्टेट आफ इंडियाज बड्स' के मुताबिक कुछ 'रैप्टर' और बतखों की तादाद में सबसे ज्यादा कमी देखने को मिली है। इसी तरह भारतीय गौरैया और कठफोड़वा खत्म होने के कगार पर बताए जा रहे हैं। यों तो वन्य जीव-जंतुओं के विलुप्त होने का खतरा लंबे समय से मंडराता रहा है, लेकिन पिछली एक शताब्दी में विज्ञान के विकास के साथ वन्यजीवों पर खतरा बहुत तेजी से बढ़ा है। आज के बदलते हालात में ग्लोबल वार्मिंग और ग्रीन हाउस गैसों से बढ़ती चुनौतियों की वजह से पक्षियों का संरक्षण बेहद मुश्किल होता जा रहा है। तरह-तरह की बीमारियां बढ़ रही हैं। वन्यजीवों को विलुप्त होने या शिकार से बचाने के लिए भारत में 1873 में वन्यजीव संरक्षण कानून बनाए गए थे, लेकिन उनसे भी वन्यजीवों, खासकर पक्षियों को शिकार से बचाने में मदद नहीं मिल पाती थी। जब देश आजाद हुआ तो 1952 में वन्यजीव बोर्ड की स्थापना की गई। फिर उसका पुनर्गठन 1991 में किया गया। बोर्ड के गठन के बाद वन्यजीवों के संरक्षण की कोशिशें तेज हुईं, फिर भी जीव-जंतुओं की तस्करी और शिकार पर पूरी तरह रोक नहीं लग पाई। पिछली एक शताब्दी में तस्करी, शिकार और पारिस्थिकी तंत्र के असंतुलन की वजह से अनेक दुर्लभ पक्षी भी धरती से हमेशा के लिए गायब हो गए। इसमें डोड़ो, कैरोलिना, तोता, यात्री कबूतर, हंसता हुआ उल्लू, लैब्राडोर बतख और दूसरे कई दुर्लभ पक्षी शामिल हैं। ज्यादातर पक्षियों के खत्म होने के पीछे इंसान का हाथ है। मसलन, दुनिया का इकलौता 'राब्स फ्रीज लिब्ड ट्री फ्राग-टफी' मेढक 2016 में मर गया। उसे अटलांटा बोटेनिकल गार्डेन में रखा गया था। मगर उसके प्रजनन के लिए उसकी प्रजाति का कोई मेढक नहीं था। अब उसकी पीढ़ी धरती पर नहीं है। अफ्रीका में जेब्रा की एक उप-प्रजाति थी, जिसका नाम था क्वागा । उन्नीसवीं शताब्दी के अंत तक शिकारियों ने इनका इतना शिकार किया कि ये हमेशा के लिए विलुप्त हो गए। 1971 में इक्वाडोर में खोजा गया पिंटा आइलैंड टारटाय यानी कछुआ भी खत्म हो चुका है। दुनिया का आखिरी थाईलैसीन, जिसका नाम बेंजामिन था, जिसे तस्मानिया टाइडर कहते थे, वह भी 1936 में खत्म हो गया। विलुप्त जीव-जंतुओं में पक्षी वर्ग की विशेष प्रजातियां शामिल हैं। सबसे अधिक प्रजातियां अफीका और दक्षिण एशिया के देशों में लुप्त हुई हैं। भारत में एक समय था, जब चिड़ियों की बारह सौ प्रजातियां पाई जाती थीं, लेकिन अब इनमें से पचास से अधिक प्रजातियां लुप्त हो गई हैं। एक अध्ययन के अनुसार पिछले पचास वर्षों में पक्षियों की सैकड़ों प्रजातियां धरती से लुप्त हो गईं और कई लुप्त होने के कगार पर हैं। गिद्ध और कठफोड़वा जैसे पक्षियों की प्रजातियां लुप्त हो गई। हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। विकास संबंधी अस्थायी नीतियों और प्रकृति के प्रति बढ़ती असंवेदशीलता इसकी वजह बताई जा रही है। आज भी भारत के कई पक्षीवास खतरे में हैं। इससे पक्षियों के लुप्त होने का खतरा बढ़ गया है। 'बांबे नेचुरल हिस्ट्री

सोसाइटी' के ताजा अध्ययन में कहा गया है कि भारत के कम से कम दस जैव विविधता वाले इलाकों पर हमेशा के लिए लुप्त हो जाने का खतरा मंडरा रहा है। पक्षियों के महत्त्वपूर्ण वास स्थानों को दुनिया भर में 'आइबीए' कहा जाता है। इनका संरक्षण भी चुनौतीपूर्ण हो गया है। हिमालय के तलहटी क्षेत्र, पश्चिमी हिमालय के ऊंचे क्षेत्र, पूर्वी हिमालय का क्षेत्र, दक्षिण भारत तथा गंगा बेसिन क्षेत्र, भारतीय मरुस्थल थार रेगिस्तान, इंडोमलाया उपखंड जैसे क्षेत्रों में पाए जाने वाले अनेक पक्षियों के अस्तित्व पर खतरा उत्पन्न हो गया है। गोल्डन ईगल बाज, गौर, गोडावन, सारस, तिलोर, हाक, निकोबारी कबूतर के अस्तित्व पर खतरा दिख रहा है। हिमाचल प्रदेश भारत का ऐसा हरियाली संपन्न प्रदेश है, जहां जैव विविधताएं मौजूद हैं। यहां पक्षियों की अनेक प्रजातियां निवास करती हैं। इनका संरक्षण लगातार चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। यहां पौंग बांध में हर साल मध्य एशिया और यूरोप की चौवन पक्षी प्रजातियां आती हैं। हिमालयी क्षेत्र में आने के कारण यहां का वातावरण हमेशा ठंडा बना रहता है। मगर बदलते मौसम, लोगों का कृत्रिमता की ओर अधिक झुकाव, प्रकृति के प्रति असंवेदनशीलता तथा चोरी-छिपे शिकार के कारण यहां के उद्यान के दुर्लभ पक्षियों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। राज्य सरकार इस ओर जागरूक जरूर है, लेकिन समस्या लोगों का पक्षियों के प्रति घटता प्यार है, जो इनके लिए संकट का कारण बन रहा है। इसलिए आम आदमी में हिंसा के बजाय अहिंसा और और क्रूरता के बजाय करुणा जैसे मूल्यों के प्रति जागरूक करना बेहद जरूरी है। इसी प्रकार पक्षियों के संरक्षण के लिए केंद्रीय स्तर पर केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण की स्थापना वन्यजीव अधिनियम 1972 के अंतर्गत 1992 में की गई। इसका मकसद चिड़ियाघरों के कामकाज को देखना है। यह बारह सदस्यों वाली संस्था है। राज्य स्तर पर भी तकरीबन ऐसे ही संरक्षण बोर्ड बने हुए हैं, लेकिन इनकी सक्रियता के बारे में समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। दुर्लभ प्रजातियों के संरक्षण के लिए विश्व स्तर पर वन्यजीवों की दुर्लभ प्रजातियों का अंतरराष्ट्रीय व्यापार समवाय भी बनाया गया है, जिसका कार्य संकटापन्न प्रजातियों के अवैध अंतरराष्ट्रीय व्यापार को रोकना है। भारत भी इसका सदस्य है। भारत ने इस बाबत अनेक जीव-जंतुओं की तस्करी पर रोक लगाने के लिए बड़े स्तर पर कदम उठाए हैं, लेकिन वे नाकाफी रहे हैं, क्योंकि पक्षियों और दूसरे वन्यजीवों की घटती संख्या और लुप्त होती पक्षी प्रजातियों के संरक्षण को मुकम्मल नहीं किया जा सका है।

# डा.अखिल बंसल वीरसिंह देव पुरस्कार से सम्मानित

**ओरछा. शाबाश इंडिया।** अखिल भारतीय बुंदेलखंड साहित्य एवं संस्कृति परिषद् - भोपाल के तत्त्वावधान में ऐतिहासिक नगरी ओरछा के होटल बुंदेलखंड रिवर्स में दि.9 व 10 मार्च को आयोजित समारोह में जयपुर के साहित्यकार डा.अखिल बंसल को वीरसिंह देव पुरस्कार -2024 से सम्मानित किया गया। ओरछा नरेश मधुकर शाह की उपस्थिति में परिषद के अध्यक्ष पद्मश्री कैलाश मडवैया ने सम्मान पत्र तथा राजा साहब ने सम्मान राशि प्रदान की। ओरछा नरेश ने डा.बंसल से आगामी कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किय

# 'संगिनी मैन उदयपुर को मिला डायमंड अवार्ड'

**उदयपुर. शाबाश इंडिया।** संगिनी मैन उदयपुर को जैन सोशल ग्रुप्स इंटरनेशनल फेडरेशन द्वारा डायमंड अवार्ड देने की घोषणा की गई है। फेडरेशन द्वारा डाइमन्ड अवार्ड केवल तीन ग्रुप को दिया है जिसमें एक अवॉर्ड संगिनी मैन उदयपुर को प्राप्त हुआ है। यह जानकारी ग्रुप अध्यक्ष डॉक्टर प्रमिला जैन द्वारा दी गई।

## आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

# श्री महावीर युवक मण्डल सेवा संस्थान ने किया जिला कलक्टर एवं पुलिस अधीक्षक का स्वागत

## दोनों अधिकारियों से भेंट कर दी संस्थान के सेवा कार्यों की जानकारी

**सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया**

भीलवाड़ा। सेवा, समपर्ण ओर संस्कारों निर्माण के लक्ष्य से कार्यरत श्री महावीर युवक मण्डल सेवा संस्थान शांतिभवन भीलवाड़ा के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने जिला कलक्टर नमित मेहता एवं पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यन्त से शिष्टाचार भेंट कर उनका स्वागत किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों को चिकित्सा, शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में मानव सेवा के लिए संस्थान की गतिविधियों एवं संचालित हो रहे प्रकल्पों के बारे में जानकारी दी। संस्थान के अध्यक्ष पुखराज चौधरी एवं मंत्री नितिन बापना के नेतृत्व में मेहता एवं दुष्यन्त को संस्थान की ओर से प्रतीक चिन्ह भी भेंट किया गया। दोनों अधिकारियों ने श्री महावीर युवक मण्डल सेवा संस्थान द्वारा सेवा के क्षेत्र में संचालित प्रकल्पों एवं विभिन्न गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि निस्वार्थ भाव से की जा रही सेवा अनुकरणीय एवं समाज के अन्य वर्गों के लिए भी प्रेरणादायी है। दोनों अधिकारियों ने कहा कि संस्थान के सेवा कार्यों में प्रशासनिक स्तर पर हमेशा सहयोग के लिए तैयार रहेंगे। जिला कलक्टर एवं पुलिस अधीक्षक से मिलने वाले संस्थान के प्रतिनिधिमण्डल में उपाध्यक्ष हुक्मीचंद खटोड़, सह मंत्री जयप्रकाश आंचलिया, कोषाध्यक्ष मुकुल सूरिया, कार्यकारिणी सदस्य अर्पित कोठारी, नरेन्द्र सिसोदिया, अनुराग नाहर, अर्पित चौधरी, रोहित डांगी, संस्थान के व्यवस्थापक दिलीप संचेती एवं विनोद गोखरू आदि शामिल थे।

# आचार्य श्री सुनील सागर जी ससंघ श्री महावीर जी में भव्य मंगल प्रवेश

**चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया**

**श्री महावीर जी।** स्थानीय श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में आज आचार्य श्री 108 सुनील सागर जी महाराज का ससंघ भव्य मंगल प्रवेश हुआ। आचार्य श्री ससंघ हिंडोन होते हुए श्री शांतिवीर मंदिर पहुंचे जहां पर मंदिर के मंत्री राजकुमार कोठारी, प्रदीप ठोलीया, महावीर पाटनी, योगेश टोडरका, मंदिर के मैनेजर संजय जैन भंडारी ने आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन किया। आचार्य श्री ने ससंघ शांतिवीर जी मंदिर के दर्शन किए। शांति वीर नगर से जुलूस बैंड बाजों के साथ आचार्य श्री के जयकारे लगाते हुए श्री महावीर जी पहुँचा तत्पश्चात आचार्य श्री का श्री महावीर जी मे भव्य मंगल प्रवेश। मुख्य मन्दिर जी के द्वार पर आचार्य श्री का ससंघ श्री दिगंबर जैन मंदिर कार्यकारणी कमेटी के मानद् मंत्री सुभाष जैन, संयुक्त मंत्री पी के जैन ने आचार्य श्री के पाद प्रक्षालन किया। आचार्य श्री के रथ में विराजमान जिनेंद्र भगवान की प्रतिमा का आचार्य श्री के सानिध्य में अभिषेक किया गया। आचार्य श्री ससंघ मन्दिर जी में विराजमान मूलनायक प्रतिमा भगवान महावीर स्वामी जी के दर्शन किये व चौबीषि के दर्शन किये तत्पश्चात ध्यानकेंद्र का अवलोकन किया। इस अवसर पर मैनेजर प्रवीन जैन, नेमिचंद पाटनी,पंडित मुकेश जैन शास्त्री, विकाश पाटनी, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप के अध्यक्ष चंद्रेश कुमार जैन, चंदनबाला महिला मंडल जैन समाज के गणमान्य लोग एवं बाहर से आए सैकड़ों धर्मावलंबियों ने धर्म लाभ

## श्री जिनेंद्र की वाणी जगत कल्याणी ही, भगवान महावीर ने विश्व बंधुत्व का सूत्र दिया : आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी

**राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया**

इंदौर। चंद्र सागर वसतीका का हुआ लोकार्पण। जिनेंद्र भगवान की वाणी जगत का कल्याण करने वाली वाणी है। लोगों ने संप्रदाय के सूत्र दिए परंपरा के सूत्र दिए जाति पंथ के सूत्र दिए राष्ट्र देश के सूत्र दिए किंतु तीर्थंकर महावीर ने विश्व बंधुत्व का सूत्र दिया है उक्त प्रेरक विचार चर्या शिरोमणि आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ने बीसपंथी मंदिर मल्हारगंज पर विशाल धर्म सभा में व्यक्त किए । राजेश जैन दद्दू ने बताया कि गुरु देव ने कहा जगत के प्राणी मात्र हमारे मित्र है मित्रता का तात्पर्य जगत के प्राणियों के दुख दूर करना है। इस अवसर पर नवश्रृंगारित चंद्र सागर वसतिका का लोकार्पण समाजसेवी धनपाल टोंग्या अध्यक्ष नरेश सेठी ने फीता कटकर किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में मंगलाचरण श्रीमती डाली झांझरी, श्रीमति अर्चना पांड्या, श्रीमती ममता टोंग्या, श्रीमती संगीता काला व श्रीमती प्रीति पाटनी ने किया। शास्त्र भेंट, पाद प्रक्षालन व दीप प्रज्वलन धनपाल टोंग्या, अजयपाल टोंग्या परिवार ने किया। अतिथि स्वागत राजेश पांड्या, अजयपाल टोंग्या व अजय रावका ने किया। कार्यक्रम का संचालन धर्मेंद्र पाटनी ने व अंत में आभार व्यवस्थापक कमेटी के भारत काला ने माना। इस अवसर पर सामाजिक संसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी, महामंत्री सुशील पांड्या, मंत्री डॉ जैनेन्द्र जैन कैलाश वेद, निर्मल कासलीवाल, प्रतिपाल टोंगिया, प्रिंसपाल टोंग्या, पूर्व पार्षद जयदीप जैन, मनोज काला मनमोहन झांझरी आदि उपस्थित थे।

# उपाध्याय श्री विरंजनसागर ससंघ एवं मुनि श्री पुण्यसागर महाराज ससंघ का कुण्डलपुर में हुआ मंगल प्रवेश

राजेश जैन रागी/जयकुमार जलज. शाबाश इंडिया

कुण्डलपुर (दमोह)। सुप्रसिद्ध श्री दिगंबर जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर में परम पूज्य गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज के प्रभावक शिष्य जनसंत , उपाध्याय श्री विरंजन सागर जी महाराज ससंघ 6 पिच्छी का मंगलवार की प्रातः भव्य मंगल प्रवेश हुआ । उपाध्यायश्री ससंघ की भव्य अगवानी की गई। मुनि संघ हटा से विहार कर मजगुवां होते हुए कुंडलपुर पहुंचा । हटा के युवा मुनि ससंघ का विहार कराते हुए कुंडलपुर पहुंचे ।इसके अलावा सायंकाल परम पूज्य वात्सल्य वारधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज के शिष्य पूज्य वात्सल्यमूर्ति इस समता शिरोमणि प्रज्ञाश्रमण समाधिसम्राट मुनि श्री पुण्यसागर जी महाराज ससंघ 19 पिच्छी का मंगल प्रवेश सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर की पावन धरा पर हुआ। मुनि संघ हटा से विहार कर राजाबंदी में आहारचर्या उपरांत सायंकाल कुण्डलपुर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ । इस अवसर पर मुनिसंघ की अगवानी मुनिसंघ के साथ कुंडलपुर क्षेत्र कमेटी के पदाधिकारी, कुंडलपुर समाज , ब्रह्मचारी भैया, दीदी जी, कुंडलपुर स्टाफ ने भव्य अगवानी की।

# मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आचार्य श्री की समाधि पर पहुंचे

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

डोंगागढ़। जैन आचार्य श्री विद्यासागर महाराज की 18 फरवरी को समाधि होने के बाद मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 12 मार्च को दोपहर में छत्तीसगढ़ में स्थित जैन तीर्थक्षेत्र चंद्रगिरी डोंगरगढ़ पहुंचे और समाधि पर पहुंचकर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए और आचार्य श्री की समाधि के संदर्भ में डोंगरगढ़ ट्रस्ट कमेटी के पदाधिकारियों से बातचीत की। मुनि सेवा समिति के सदस्य मुकेश जैन ढाना ने बताया मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने वहां पर चल रहे हथकरघा केंद्र चल चरखा पहुंचकर महिलाओं से चर्चा की और कपड़े की गुणवत्ता को भी देखा मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जैन समाज के नहीं पूरे भारत और विश्व के ऐसे संत थे जिन्होंने विश्व कल्याण की कामना हमेशा की है। उनकी समाधि पर सात आठ मिनट तक रुकने के बाद डोंगरगढ़ कमेटी के विनोद बड़जात्या, विनोद कोयला, किशोर जैन, सुधीर जैन, चंद्रकांत जैन आदि से मुख्यमंत्री ने आचार्य श्री के व्यक्तित्व और जीवन कृतित्व पर बातचीत की और उनके चलाए जा रहे प्रकल्पों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री के साथ भोपाल के भाजपा नेता राहुल कोठारी और छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री राजेश मूणत उपस्थित थे।

# एन के पारीक राष्ट्रीय महासचिव निर्वाचित

जयपुर. शाबाश इंडिया

आल इंडिया सेंट्रल बैंक रिटायर्ड ऑफि सर्स फेडरेशन (एआईसीबीआरओएफ) के सदस्यों का त्रि वार्षिक राष्ट्रीय अधिवेशन भोपाल में रविवार को आयोजित किया गया था जिसमे फेडरेशन की देश में राजस्थान सहित 19 इकाइयों के तीन सो से अधिक प्रतिनिधियों ने सहभागिता की । जयपुर के क्षेत्रीय सचिव पदम जैन बिलाला ने बताया कि अधिवेशन में अगले कार्यकाल के लिए नवीन कार्यकारिणी समिति का चुनाव किया गया जिसमे जयपुर राजस्थान के एन के पारीक को पुनः निर्विरोध राष्ट्रीय महासचिव निर्वाचित किया गया तथा जयपुर से बी एस राठौड़ कार्यालय सचिव , ललित शर्मा सहायक कोषाध्यक्ष व मनोज शर्मा , आर के जैन कार्यकारिणी के सदस्य निर्वाचित हुए । इन सभी का भोपाल से मंगलवार को जयपुर पहुँचने पर सदस्यों द्वारा सम्मान अभिनन्दन किया गया ।

# साधिका आश्रम का उद्घाटन सुशीला पाटनी आरके मार्बल ग्रुप के कर कमलों से हुआ

## आचार्य श्री ने आत्म तत्व को पवित्र कर ऊंचाइयों को छुआ: मुनि श्री पुनीत सागर

**सागर. शाबाश इंडिया**

साधिका आश्रम की भूमिका गुरुदेव ने कुंडलपुर में बनाई थी और कहा था जब वृद्ध अवस्था में शरीर व्याधियों से घिर जाता है तो परिवार वाले उन्हें अस्पताल में डाल देते हैं धर्म ध्यान करने वालों का अंतिम समय अच्छा नहीं हो पता है अंतिम समय अच्छा हो इसके लिए आश्रम बनाया जाए गुरुदेव ने बहुत आगे की सोच करके यह कार्य किया है वह ऐसे ही संतो के सरताज नहीं थे उन्होंने अपने आत्म तत्व को पवित्र कर ऊंचाइयों को छुआ था।यह बात मुनि श्री पुनीत सागर महाराज ने साधिका आश्रम के उद्घाटन अवसर पर धर्म सभा में कही। उन्होंने कहा कि बहुत पहले आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जब कटनी में विराजमान थे उन्हें मलेरिया हो गया था तो उन्हें लगने लगा था कि शायद संलेखना लेनी होगी वे सजग थे अपने आत्म कल्याण के लिए लेकिन बाद में उनका स्वास्थ्य ठीक हो गया आचार्य श्री जब भी कभी सागर का नाम सुनते थे तो वे मुस्कुराते थे और कहते थे कि सागर वाले समर्पित भाव से काम करते हैं मुनि श्री ने कहा गुरुदेव ने स्व कल्याण और पर कल्याण का कार्य किया है 1980 में मोराजी में ब्राह्मी आश्रम शुरू कराया था ताकि बहने अपनी साधना कर संलेखना करेगी संलेखना उसी की होती है जिसके प्रतिमाओं के व्रत होते हैं 8 से लेकर 11 प्रतिमाओं के व्रत लेने वालों को साधक कहते हैं आचार्य श्री ने एक बार कहा था की मुनि बनने का स्वाद वह अच्छे तरीके से नहीं ले पाए हैं जब उनसे पूछा कहा गया ऐसा क्यों बोल रहे हैं तो उन्होंने जवाब दिया था कि मुनि बने 4 वर्ष हुए थे और आचार्य ज्ञान सागर ने उनके ऊपर आचार्य पद का बड़ा भार दे दिया था आचार्य विद्यासागर महाराज की समाधि हुई उन्होंने एक आदर्श प्रस्तुत किया आचार्य श्री बहुत निष्प्रही थे क्षुल्लक अवस्था में ( भावी आचार्य मुनि श्री श्री समय सागर महाराज ) को मलेरिया हो गया था तो गुरुदेव ने कटनी में उन्हें छोड़ कर कुंडलपुर की ओर बिहार किया जब क्षुल्लक समय सागर जी का स्वास्थ्य ज्यादा बिगड़ गया तो वहां से पंडित जगमोहन शास्त्री ने अपने बेटे को पत्र देकर कुंडलपुर भेजा और कहा कि गुरुदेव से कहना कि आप वापस आ जाओ लेकिन गुरुदेव ने उल्टा कह दिया की पंडित जी आप सब जानते हैं यदि आपको लगता है तो उन्हें संलेखना की तैयारी करवा दें ताकि उनकी समाधि अच्छे से हो जाए ऐसे निष्प्रही आचार्य श्री थे लेकिन दूसरे दिन से समय सागर जी का स्वास्थ्य ठीक हो गया और गुरुदेव ने अपनी समाधि के पूर्व उन्हें आचार्य पद सौंप दिया गुरुदेव ने एक से एक साधु अपने संघ में रखे हुए थे। मुनि श्री आगम सागर महाराज ने कहा साधना के लिए जगह की भी आवश्यकता होती है शौच ऐसी जगह जाना चाहिए जहां पर अहिंसा व्रत का पालन हो सके एक जीव को अपने जीवन दान दे दिया तो वह यह दान सुमेरु पर्वत पर बराबर सोना दान करने से ज्यादा महत्वपूर्ण है जीवन को दान देने वाला बड़ा है जीव का जीवन दान अहिंसा धर्म की नींव माना जाता है इससे आत्मा की ऊंचाई प्राप्त होती है। गुरुदेव को देखकर आर्यिकाओ ने अहिंसा के व्रत को पाला है और आर्यिकाओं की साधना भी काम नहीं है दो वर्षों में यह श्री विद्यासागर साधिका आश्रम बनकर तैयार हो गया है आप लोग आत्मा की कल्याण के लिए भूमि दान नहीं दे रहे हैं बल्कि जीव जंतुओं के जीवन का दान दे रहे हैं ऐसा आचार्य श्री ने कहा था। सुबह 10:30 बजे मुनि संघ और आर्यिका गुरुमति, आर्यिका दृढ़मति, आर्यिका गुणमति, आर्यिका अकंपमति माताजी के ससंघ सानिध्य में 20 साधिकाओं को नए भवन में प्रवेश कराकर उद्घाटन किया गया। इस भवन में 40 कमरों का निर्माण कराया गया है इसमें लगभग ढाई करोड़ की लागत आई है। सुबह अभिषेक, शांति धारा, पूजन के बाद आचार्य श्री की पूजन हुई और फिर वास्तु हवन ब्रह्मचारी नितिन भैया दीपक भैया और धीरज भैया के द्वारा मुनि संघ और आर्यिका संघ के सानिध्य में संपन्न हुआ इसके बाद आचार्य श्री के प्रवचन के अंश लोगों को दिखाए गए विधायक शैलेंद्र जैन ने कहा कि साधिका आश्रम खुलने से व्रती महिलाओं को लाभ होगा और आचार्य श्री का सपना सागर वालों ने पूरा किया है। उदासीन आश्रम के अध्यक्ष राजा भैया और महेश भैया का सभी ने सम्मान किया कार्यक्रम में जयपुर से सुशीला अशोक पाटनी, अजित रेवाड़ी, महेंद्र भूसा, मुकेश जैन ढाना, नेवी जैन, अरुण बमोरी, दिनेश बिलहरा, आदि उपस्थित थे।

**अभिषेक जैन लुहाड़िया**
**रामगंजमंडी की रिपोर्ट**

# अष्टान्हिका पर्व पर 17 मार्च से सिद्ध चक्र महामण्डप विधान का होगा भव्य आयोजन

शाबाश इंडिया

आगामी 17 मार्च से 25 मार्च तक प्रातः 7.30 से 10.30 बजे तक जैन धर्म के शाश्वत पर्व अष्टान्हिका के दौरान बापू नगर जयपुर के पंडित टोडरमल स्मारक भवन के पंच तीर्थ जिनालय पर वीतराग विज्ञान महिला मण्डल, बापू नगर द्वारा सिद्ध चक्र महामण्डप विधान पूजा का भव्य आयोजन मण्डल की अध्यक्ष श्रीमती सुशीला जैन अलवर वालों के सानिध्य में होगा। विधान के मुख्य समन्वयक हीरा चन्द बैद ने बताया कि विधान के मुख्य आमंत्रण कर्ता बापू नगर के श्रीमती सरोज कटारिया -इंदर चन्द कटारिया, श्रीमती नमिता छाबड़ा - पवन छाबड़ा - मोती संस, सी-स्कीम, श्रीमती अचरजबाई -निहाल चन्द जी पीतल फैक्ट्री, श्रीमती रेखा जी पाटनी-अशोक पाटनी , बापू नगर श्रीमती सुधा गोधा-प्रदीप गोधा कीर्ति नगर, श्रीमती चित्रा शाह-पी.सी.शाह बापू नगर, श्रीमती सरोज जैन पाटनी -सी.ए. प्रदीप पाटनी, बापू नगर, श्रीमती सुमन बाकीवाला-प्रमोद बाकीवाला, बापू नगर, श्रीमती इंदु जैन बजाज नगर, श्रीमती कुसुम गंगवाल -महेन्द्र गंगवाल -श्याम नगर होगें। वीतराग विज्ञान महिला मण्डल की श्रीमती प्रमीला जैन बजाज नगर व श्रीमती रेनू सेठी लाल कोठी ने बताया कि विधान के दौरान निम्न आध्यात्मिक विद्वानों का समागम प्राप्त होगा :- पंडित डा.शान्ति कुमार पाटिल, पंडित परमात्म प्रकाश भारिल्ल, मोटिवेशनल स्पीकर पंडित डा.एस.पी.भारिल्ल, पं.जिनकुमार शास्त्री, पंडित पीयूष शास्त्री आदि। विधानाचार्य पंडित जिनेन्द्र कुमार शास्त्री एवं संगीत कार पंडित रिमांशु शास्त्री, पंडित दिव्याशू शास्त्री, पंडित समकित शास्त्री होगें। सांयकाल 7.15 से भक्ति, 7.45 से विभिन्न विद्वानों द्वारा प्रवचन, 9.3 से सांस्कृतिक कार्यक्रमों के दौरान 17 मार्च को आध्यात्मिक अंताक्षरी -श्रीमती सुशीला जैन अलवर वाली द्वारा, 18 मार्च को अनेकांत में एकता -श्रीमती स्तुति जैन द्वारा, 19 मार्च को अक्षय निधि -श्रीमती संगीता सोनी द्वारा, 20 मार्च को इन्द्र सभा -विदुषी श्रीमती पूजा भारिल्ल द्वारा, 21 मार्च को सैद्धांतिक भजन व कविताएं - महिला मण्डल की सदस्यों द्वारा, 22 मार्च को बारह भावना की प्रस्तुति -सुश्री ऐनी जैन व विदुषी बालिकाओं द्वारा। 23 मार्च को प्रश्न मंच प्रतियोगिता -श्रीमती चारू जैन द्वारा। वीतराग विज्ञान महिला मण्डल की अध्यक्ष श्रीमती सुशीला जैन अलवर वालों ने सभी साधर्मियो से मण्डल विधान पूजा में शामिल होकर धर्म लाभ प्राप्त करने का आव्हान किया है।

-हीरा चन्द बैद

# संभाग स्तरीय आरोग्य मेले का हुआ समापन

भीलवाड़ा. कासं

आयुष विभाग एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हो रहे संभाग स्तरीय आरोग्य मेले का मंगलवार को जिला कलक्टर नमित मेहता के मुख्य आतिथ्य में समापन हुआ। आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक डॉ. ओ.पी. नागर के अनुसार 4 दिन से चल रहे इस आरोग्य मेले में आयुर्वेद चिकित्सा से 1885, यूनानी चिकित्सा से 1126, होम्योपैथी से 774 एवं योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा से 262 अर्थात कुल 4047 रोगियों की चिकित्सा की गई। शिविर में 632 रोगियों का पंचकर्म, 180 को योग तथा प्राकृतिक 252 रोगियों को कपिंग थेरेपी दी गई।

## 85 हजार करोड़ की रेलवे परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास

# रेलवे का कायाकल्प विकसित भारत की गारंटी: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

### केन्द्र-राज्य की डबल इंजन सरकार लिखेगी विकास की नई इबारत। संकल्प पत्र के हर वादे को किया जाएगा पूरा: मुख्यमंत्री शर्मा

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को गुजरात के अहमदाबाद में रेलवे की 85 हजार करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास-लोकार्पण तथा वन्दे भारत ट्रेनों सहित अन्य रेल सेवाओं का हरी झण्डी दिखाकर शुभारम्भ किया जिनमें राजस्थान को भी कई सौगातें मिली। इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय रेल विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में अहम भूमिका निभा रही है। देश के विकास की गाड़ी रेलवे ट्रैक पर तीव्र गति से दौड़ रही है। उन्होंने कहा कि गत 10 वर्षों में रेलवे का जो कायाकल्प हुआ है, वो विकसित भारत की गारंटी है। मोदी ने कहा कि रेलवे का विकास केन्द्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमारी सरकार ने रेल बजट को केन्द्रीय बजट में शामिल किया, जिससे रेलवे का औसत बजट 6 गुना बढ़ गया है तथा आने वाले 5 साल में रेलवे का पूरी तरह कायाकल्प हो जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले रेलवे के हालात इतने बदतर थे कि उत्तर-पूर्व के 6 राज्यों की राजधानी भी रेल सेवा से नहीं जुड़ पाई थी। देशभर में करीब 10 हजार से ज्यादा रेलवे फाटक मानवरहित थे। मात्र 35 प्रतिशत रेल लाइनों का विद्युतीकरण हो पाया था और ट्रेन टिकट के आरक्षण में भी लम्बी लाइनें लगती थी। उन्होंने कहा कि रेलवे लाइनों का दोहरीकरण भी पूर्ववर्ती सरकारों की प्राथमिकता में नहीं था। इन सब कारणों से आम आदमी को बहुत पीड़ा झेलनी पड़ती थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे हालात से रेलवे को बाहर निकालने के लिए जो दृढ़ इच्छाशक्ति चाहिए थी, वो हमारी सरकार ने दिखाई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस अवसर पर जैसलमेर रेलवे स्टेशन परिसर में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने भारत के विकास रथ को जो तेज गति दी है, उससे पूरी दुनिया अचंभित है। शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार रेलवे, सड़कों, हाईवे एवं एयरपोर्ट के विकास के नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है तथा अपने कार्यकाल में विकास कार्यों का शिलान्यास-लोकार्पण कर उन्हें समय पर जनता को समर्पित कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज देश प्रत्येक क्षेत्र में विकास के नये रिकॉर्ड बना रहा है और रेलवे भी इससे अछूता नहीं है। डिजाइन, गति, सुख-सुविधा, सुरक्षा, प्रौद्योगिकी और आधुनिकीकरण में हमने शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। वर्ष 2014 से यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे ने माल ढुलाई, मालभाड़ा राजस्व, नई वंदे भारत ट्रेन शुरू करने, पूंजीगत व्यय, स्टेशन पुनर्विकास, कवच सुरक्षा प्रणाली, पटरियां बिछाने और विद्युतीकरण में अभूतपूर्व प्रगति प्राप्त की है।

## समयबद्ध रूप से पूरी की जाएगी संकल्प पत्र की हर घोषणा

मुख्यमंत्री ने कहा कि तीन माह के अल्प कार्यकाल में ही राज्य सरकार ने संकल्प पत्र के करीब 40 फीसदी वादों पर काम शुरू कर दिया है तथा समयबद्ध रूप से हर वादे को पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने युवाओं के साथ विश्वासघात करने वाले पेपर लीक के दोषियों को उनके अंजाम तक पहुंचाया है। शर्मा ने कहा कि जनता ने जिस विश्वास और भरोसे से सरकार को चुना है, उस पर हम खरा उतर रहे हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश की डबल इंजन सरकार राज्य में विकास की नई इबारत लिख रहे हैं। इस मौके पर केंद्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि बाड़मेर जैसलमेर में रेलवे के विकास से यातायात के साधनो में सुगमता होगी जिससे यहां माल ढुलाई के साथ-साथ पर्यटन का भी विकास होगा।